(ख) रेल दावा अधिकरण की उन पीठों में लम्बित पड़े दुर्घटना के दावों के मामलों की संख्या नीचे दी गई है जहां पर सदस्यों के पद रिक्त पड़े हैं:—

पीठ	लंबित पड़े मामलों की संख्या
अहमदाबाद	25
चंड़ीगढ़	8
गुवाहाटी	23
बम्बई	89
पटना	208
एर्णाकुलम	44
जयपुर	15

"मध्य प्रदेश की सिंचाई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान किया जाना"

*233. **श्री जगन्नाथ सिंह:** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 31 दिसम्बर, 1994 की स्थिति के अनुसार केन्द्रीय सरकार के पास मध्य प्रदेश सरकार के जिला-वार ऐसे कितने सिंचाई परियोजनाओं संबंधी प्रस्ताव स्वीकृति हेतु लंबित हैं जिनमें वन भूमि डूब क्षेत्र में आती है; और

(ख) उक्त लंबित परियोजनाओं में से जिला-वार कितनी परियोजनाएं आदिवासी परियोजना क्षेत्रों के लिए है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमलनाथ): (क) और (ख) 31.12.1994 की स्थिति के अनुसार मध्य प्रदेश में सिंचाई परियोजना का केवल एक प्रस्ताव अर्थात् शिवपुरी जिले में मोहिनी सागर बांध परियोजना पर्यावरण और वन मंत्रालय के पास वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के अंतर्गत मंजूरी के लिए लम्बित था। इस प्रस्ताव को दिनांक 3.1.1995 को सिद्धांत रूप में अनुमोदित कर दिया गया है। राज्य द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार उपर्युक्त सिंचाई परियोजना आदिवासी परियोजना क्षेत्रों में नहीं आती है।

Supply of Railway Wagons at Gandhidham and Kandla Stations

*234. SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what is the number of railway wagons provided by the railway authorities to Gandhidham and Kandla stations in Kutch District in Rajkot Divison, till 31st March, 1994 for loading and unloading of export and import goods; and

(b) whether Government propose to increase the number of wagons for Gandhidham and Kandla stations to meet the demand of local and State and nation-wide traders and Chambers of Commerce, in the current financial year and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C.K. JAFFER SHARIEF): (a) All import and export traffic offered to and from Gandhidham/Kandla has been loaded. During 1993-94 details of wagons provided for loading and unloading of exports and improts in four wheeler units are given below:—

Loading		*Unloading*	
Broad Gauge	Metre Gauge	Broad Gauge	Metre Gauge
103878	104310	48858	3622

(b) Railways always endeavour to increase the wagon supply. However, wagons are not allocated to a particular sector. The wagons on Indian Railways are in common pool and are supplied in different areas according to priority and demand.